Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 23-08-2006

Participants : Mishra Dr. Rajesh Kumar

an>

Title : Need to expedite the work on the airport of Varanasi which has been accorded International Airport Status.

डॉ. राजेश मिश्रा (वाराणसी) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान हिन्दुस्तान की धार्मिक नगरी वाराणसी, जिसे देश में धर्म की राजधानी भी कहा जाता है और जिसका उप-नाम काशी भी है, उसकी ओर आकर्ति करना चाहता हूं। वाराणसी एयरपोर्ट को पिछले वर्ों में इंटरनेशनल एयरपोर्ट का दर्जा भारत सरकार ने दिया। उसके अगल-बगल 25 जिले ऐसे हैं जो बनारस से जुड़े हैं और वे यात्री जिन्हें एयर से जाना होता है, वे वाराणसी के एयरपोर्ट से होकर ही कहीं भी जा पाते हैं। भारत की सरकार ने इसे इंटरनेशनल एयरपोर्ट घोति किया और सरकार ने पैसा भी दिया लेकिन आज की तारीख में वहां काम इतनी धीमी गति से चल रहा है कि यदि इतनी ही धीमी गति से काम चलता रहा तो कब तक यह एयरपोर्ट बनकर तैयार हो पाएगा, यह नहीं कहा जा सÉBÉEiÉÉ[R9]। अप्रोच रोड के लिये गांव वाले जगह नहीं दे रहे थे, वहां खुद किसानों से कम्प्रोमाइज़ करके उनको जगह दिला दी है। अब वह सड़क तैयार हो गई है लेकिन एअरपोर्ट के अंदर का हिस्सा अभी बनना शुरु नहीं हुआ है। मेरी आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मांग है कि एअरपोर्ट के लिये जो पैसा जा चुका है, उसके लिये जल्द से जल्द अंदर का हिस्सा बनवा दिया जाये।

सभापति जी, वाराणसी के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश के 20-25 जिले लगते हैं जहां से अल्पसंख्यक वर्ग के लोग हज यात्रा के लिये जाते हैं। इसलिये मेरी मांग है कि हज यात्रियों के लिये एक फ्लाइट दी जाये। इससे उनपर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम हो सकेगा, उन्हें सुविधा हो सकेगी और वे आराम से हज यात्रा के लिये जा सकेंगे ताकि 20-25 जिलों के लोग हवाई जहाज के लिये लखनऊ या दिल्ली न जायें। मेरी सरकार से मांग है कि उड्डयन मंत्री जल्द से जल्द एअरपोर्ट तैयार करायें ताकि हज यात्री आराम से हज यात्रा के लिये जा सकें।